बिहार विधान-सभा वादवृत्त

बुधवार, तिथि 25 जुलाई, 1990 ई०

(भाग-1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटना के सभा सदन में बुधवार, तिथि 25 जुलाई, 1990 ई० को पूर्वाह्न 11.00 बजे अध्यक्ष श्री गुलाम सरवर के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

पटना
तिथि : 25 जुलाई, 1990 ई०

चन्द्रशेखर शर्मा
सचिव
बिहार विधान-सभा

---

(2) क्या यह बात सही है कि सभी सिंचाई श्रोत बन्द होने से किसानों को काफी कठिनाई हो रही है;

(2) कंडिका (1) के उत्तर से स्पष्ट है कि सिंचाई के सभी श्रोत बन्द नहीं है जहां के सिंचाई श्रोत बन्द है वहां के किसानों को कठिनाई होना स्वाभावित ही है।

(3) यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार अविलम्ब सभी बन्द पड़े नलकूपों एवं लिफ्ट सिंचाई योजना को चालू करने पर विचार रखती है, और नहीं तो क्यों?

(3) यांत्रिक दोष से बन्द नलकूपों का शीघ्र कार्यरत करने हेतु कार्रवाई की जा रही है। विद्युत दोष से अकार्यरत नलकूपों को शीघ्र चालू कराने हेतु विद्युत पर्षद के साथ मिलकर कार्रवाई की जा रही है। विद्युत पर्षद द्वारा उदवह सिंचाई योजनाओं को ऊर्जान्वित कर दिये जाने एवं विद्युत दोष से बन्द उद्रह सिंचाई योजनाओं के विद्युत दोष दूर करने के उपरांत योजनाओं को चालू कर दिया जायेगा। इसके लिए विद्युत पर्षद से सम्पर्क स्थापित किया गया है।

"पुल का निर्माण"

2017. श्री बेनी प्रसाद गुप्ता : श्री वृषिण पटेल : क्या मंत्री ग्रामीण विकास विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) साहेबगंज जिलान्तर्गत बरहरवा प्रखंड के ढाटापाड़ा के पास नदी पर पुल बनाने का कार्य कब प्रारंभ हुआ है,

(1) उत्तर स्वीकारात्मक है। यह कार्य मार्च, 86 में आरंभ किया गया है।

(2) यदि उपरोक्त खंड के उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार इस पुल को कब तक पूर्ण कराने का विचार रखती है।

(2) पुल निर्माण में सीमेन्ट की कमी के कारण निर्माण कार्य पुरा नहीं हुआ है। निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करा दिया जायेगा।

"दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई"

2019. श्री थियोडोर किडो : श्री जगदानन्द सिंह : क्या मंत्री जलसंसाधन विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(1) क्या यह बात सही है कि गुमला ज़िलान्तर्गत सिमडेगा अनुमंडल में रामरेखा जलाशय योजना में रोकटोक फिटर के कार्य में विहित मानदण्ड के क्वार्टर इंच से सवा इंच तक के चिप्स के बदले, डेढ़ इंच से तीन इंच तक के मरे हुए पत्थरों का बोल्डरनुमा चिपस प्रयोग में लाया गया है;

(1) उत्तर स्वीकारात्मक है। रामरेखा जलाशय योजना में रौक टी फिल्टर का कार्य विहित मापदण्ड के अनुरूप कराया जा रहा है।

(2) यदि उपरोक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार उक्त अनियमितता की जांच

(2) उपर्युक्त खण्ड 1 के उत्तर के आलोक में किसी कार्रवाई की आवश्यकता नहीं है।